Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Expert lecture organized by Centre for Innovation and Incubation

News Paper: Panjab Kesari **Date: 30-01-2022**

सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन ने किया विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहद उपयोगी हैं स्मार्ट मैडिकल डिवाइसिस

पंजाब विश्वविद्यालय की डा. ममता जुनेजा ने किया संबोधित

महेंद्रगढ़, 29 जनवरी (परमजीत, मोहन): कोरोना महामारी से भारत ही नहीं समूचा विश्व प्रभावित हुआ है। यह ऐसा कठिन समय है जिसमें हैल्थ केयर सैक्टर में कार्यरत लोगों ने जिस कर्मष्ठता व कर्त्तव्य निष्ठा का परिचय दिया है, उसकी जितनी सराहना की जाए वो कम है। मैडिकल ही नहीं विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय विशेषज्ञों ने भी इस कठिन समय आ रही विभिन्न चुनौतियों से निपटने में उल्लेखनीय सहयोग किया है।

यकीनन इस दौर में हम किसी भी स्तर पर आर्टिफिशियल इंटैलिजैंसी की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं सकते हैं बल्कि आज जरूरत है कि इस मोर्चे पर आत्मनिर्भर बना जाए और इस दिशा में भारत में बड़े स्तर पर काम भी हो रहा है। इसकी मदद से आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं जोकि स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहद मददगार साबित हो रहे हैं और इस तरह के प्रयासों को और अधिक बल प्रदान करने की आवश्यकता है। किसी भी बीमारी या समस्या का निदान तभी सही ढंग से हो सकता है जबकि उसे ठीक से डॉयग्नोस किया जाए और इस कार्य में अत्याधुनिक उत्पाद उपयोगी साबित हो रहे हैं। हमें दिशा में और बड़े पैमाने पर प्रयास करने की जरूरत है।

ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान में हिस्सा लेते हुए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कुलपति ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की डा. ममता जुनेजा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस क्षेत्र में जारी बदलावों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। स्मार्ट मैडिकल डिवाइसिस एंड डॉयग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिशियल इंटैलिजैंसी विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की को-ऑर्डिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सैंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी।

उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस तरह से यह सैंटर विश्वविद्यालय स्तर पर नए शोध व इनोवेशन के विकास में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इन्हीं कोशिशों के परिणामस्वरूप प्रत्येक सप्ताहंत में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न नए विषयों पर केंद्रित विमर्श किया जाता है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी स्मार्ट मैडिकल डिवाइसिस एंड डॉयग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिशियल इंटैलिजैंसी से जुड़े विभिन्न पक्षों को जानने-समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागी इससे लाभांवित होंगे।

विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों के सवालों व जिज्ञासाओं का किया निदान

विशेषज्ञ वक्ता डा. ममता जुनेजा ने अपने संबोधन में स्मार्ट मैडिकल डिवाइसिस एंड डॉयग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिशियल इंटैलिजैंसी पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस तरह से स्मार्ट डिवाइस स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डा. ममता ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी में इस कार्य के लिए विशेष केंद्र स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज इसकी जरूरत इसलिए है क्योंकि भारत अपनी जरूरत के 80 फीसदी मैडिकल डिवाइस विदेशों से आयात करता है। उन्होंने कहा कि हमारा केंद्र इस दिशा में लगातार कार्य कर रहा है और विभिन्न उत्पाद विकसित करने की दिशा में कार्यरत है और विभिन्न मैडिकल डिवाइस विकसित कर रहा है। इनमें मोशन सैंसिस गल्व्स, 3डी प्रिंटर, ह्यूमन बाइट फोर्स मेजरिंग डिवाइस आदि प्रमुख हैं। ऑनलाइन व्याख्यान के अंत में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों के सवालों व जिज्ञासाओं का भी निदान किया।

कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय डा. अनूप यादव ने दिया। ऑनलाइन व्याख्यान के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन सुनील अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. अनूप यादव डा. सूरज आर्य और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

News Paper: Amar Ujala **Date: 30-01-2022**

व्याख्यान

हकेविवि में सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन ने किया विशेषज्ञ व्याख्यान

‘कोरोना से देश ही नहीं समूचा विश्व प्रभावित’

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। कोरोना महामारी से देश ही नहीं समूचा विश्व प्रभावित हुआ है। यह ऐसा कठिन समय है जिसमें हेल्थ केयर सेक्टर में कार्यरत लोगों ने जिस कर्मष्ठता व कर्त्तव्य निष्ठा का परिचय दिया है उसकी जितनी सराहना की जाए वो कम है।

मेडिकल ही नहीं विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय विशेषज्ञों ने भी इस कठिन समय आ रही विभिन्न चुनौतियों से निपटने में उल्लेखनीय सहयोग किया है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यकीनन इस दौर में हम किसी भी स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं सकते हैं। आज जरूरत है कि इस मोर्चे पर आत्मनिर्भर बना जाए और इस दिशा में भारत में बड़े स्तर पर काम भी हो रहा है। इसकी मदद से आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं जोकि स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहद मददगार साबित हो रहे हैं और इस तरह के प्रयासों को और अधिक बल प्रदान करने की आवश्यकता है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पंजाब विवि की डॉ. ममता जुनेजा ने रखे विचार

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की कोऑडिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी। विशेषज्ञ वक्ता डॉ. ममता जुनेजा ने स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस एंड डॉयग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिसियल इंटेलिजेंसी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह से स्मार्ट डिवाइस स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें है। पंजाब यूनिवर्सिटी में इस कार्य के लिए विशेष केंद्र स्थापित किया गया है। आज इसकी जरूरत इसलिए है क्योंकि भारत अपनी जरूरत के 80 फीसदी मेडिकल डिवाइस विदेशों से आयात करता है। हमारा केंद्र इस दिशा में लगातार कार्य कर रहा है और विभिन्न उत्पाद विकसित करने की दिशा में कार्यरत है और विभिन्न मेडिकल डिवाइस विकसित कर रहा है।

इनमें मोशन सेंसिस गल्व्स, 3डी प्रिटंर, ह्यूमन बाइट फोर्स मेजरिंग डिवाइस प्रमुख है। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय डॉ. अनूप यादव ने दिया। कार्यक्रम के आयोजन में प्रो.पवन कुमार मौर्य, डॉ. अनूप यादव डॉ. सूरज आर्य, सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Bhaskar **Date: 30-01-2022**

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहद उपयोगी है स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस : वीसी

हकेवि में सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन पर व्याख्यान का आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

कोरोना महामारी से भारत ही नहीं पूरा विश्व प्रभावित हुआ है। यह ऐसा कठिन समय है जिसमें हेल्थ केयर सेक्टर में कार्यरत लोगों ने कर्त्तव्य निष्ठा का परिचय दिया है उसकी जितनी सराहना की जाए वो कम है। इस दौर में हम किसी भी स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं सकते हैं। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं जोकि स्वस्थ्य के क्षेत्र में बेहद मददगार साबित हो रहे हैं। ये विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की डॉ. ममता जुनेजा का आभार व्यक्त किया।

स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस एंड डॉयग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की कोऑर्डिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस एंड डॉयग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से जुड़े विभिन्न पक्षों को को जानने समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागी इससे लाभांवित होंगे। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी व कर्मचारी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Jagran **Date: 30-01-2022**

बेहद उपयोगी है स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: कोरोना महामारी से भारत ही नहीं समूचा विश्व प्रभावित हुआ है। यह ऐसा कठिन समय है, जिसमें हेल्थ केयर सेक्टर में कार्यरत लोगों ने जिस कर्मठता व कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। मेडिकल ही नहीं विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय विशेषज्ञों ने भी इस कठिन समय आ रही विभिन्न चुनौतियों से निपटने में उल्लेखनीय सहयोग किया है। यकीनन इस दौर में हम किसी भी स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं सकते हैं, बल्कि आज जरूरत है कि इस मोर्चे पर आत्मनिर्भर बना जाए। इस दिशा में भारत में बड़े स्तर पर काम भी हो रहा है। इसकी मदद से आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं जोकि स्वस्थ्य के क्षेत्र में बेहद मददगार साबित हो रहे हैं । यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की डा. ममता जुनेजा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस क्षेत्र में जारी बदलावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस एंड डायग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिसियल इंटेलिजेंसी विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्यायान की शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की कोआर्डिनेटर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस तरह से यह सेंटर विश्वविद्यालय स्तर पर नए शोध व इनोवेशन के विकास में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इन्हीं कोशिशों के परिणामस्वरूप प्रत्येक सप्ताहांत में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाता है जिसमें विभिन्न नए विषयों पर केंद्रित विमर्श किया जाता है। उन्होंने कहा कि

जिला में 1484 लोगों को लगी डोज

जागरण संवाददाता, नारनौल: जिला में टीकाकरण अभियान शनिवार को भी जारी रहा। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी डोर टू डोर घरों में जाकर भी वैक्सीनेशन कर रहे हैं। जिला में शनिवार को 1484 लोगों को पहला और दूसरा कोरोना रोधी टीका लगाया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने पहला टीका 295 और दूसरा टीका 733 लोगों को लगाया गया। वहीं 15 से 18 आयु वर्ग के किशोरों को 262 और बूस्टर डोज 194 लोगों को लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग ने जिला में शुक्रवार को 2202 लोगों को पहली और दूसरी डोज लगाई गई थी।

से भी स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस एंड डॉयग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिसियल इंटेलिजेंसी से जुड़े विभिन्न पक्षों को को जानने समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागी इससे लाभांवित होंगे।। विशेषज्ञ वक्ता डा. ममता जुनेजा ने अपने संबोधन में स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस एंड डायग्नोस्टिक सोल्यूशन यूजिंग आर्टिफिसियल इंटेलिजेंसी पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस तरह से स्मार्ट डिवाइस स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। डा. ममता ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी में इस कार्य के लिए विशेष केंद्र स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज इसकी जरूरत इसलिए है क्योंकि भारत अपनी जरूरत के 80 फीसद मेडिकल डिवाइस विदेशों से आयात करता है। उन्होंने कहा कि हमारा केंद्र इस दिशा में लगातार कार्य कर रहा है और विभिन्न उत्पाद विकसित करने की दिशा में कार्यरत है और विभिन्न मेडिकल डिवाइस विकसित कर रहा है। इनमें मोशन सेंसिस गल्व्स, थ्री डी प्रिंटर, ह्यूमन बाइट फोर्स मेजरिंग डिवाइस आदि प्रमुख है। कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय डा. अनूप यादव ने दिया। समापन अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Haribhoomi **Date: 30-01-2022**

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहद उपयोगी है स्मार्ट मेडिकल डिवाइसेस

■ हकेवि में सेंटर फोर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन में व्याख्यान

महेंद्रगढ़। कोरोना महामारी से भारत ही नहीं समूचा विश्व प्रभावित हुआ है। यह ऐसा कठिन समय है जिसमें हेल्थ केयर सेक्टर में कार्यरत लोगों ने जिस कर्मठता व कर्त्तव्य निष्ठा का परिचय दिया है उसकी जितनी सराहना की जाए वो कम है। मेडिकल ही नहीं विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय विशेषज्ञों ने भी इस कठिन समय आ रही विभिन्न चुनौतियों से निपटने में उल्लेखनीय सहयोग किया है। यकीनन इस दौर में हम किसी भी स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं सकते हैं बल्कि आज जरूरत है कि इस मोर्चे पर आत्मनिर्भर बना जाए और इस दिशा में भारत में बड़े स्तर पर काम भी हो रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं।